सांध्य दैनिक 4PM

सुझाव देना और बाद में हमने जो कहा उसके नतीजे से बचने की कोशिश करना बेहद आसान है। -जवाहरलाल नेहरू

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 74 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024

दिल्ली ने गुजरात को 6 विकेट से... 7 | चुनाव आते ही नेताओं के बिगड़े... 3 | गाजियाबाद से गाजीपुर तक होगा... 2

चुनावी लड़ाई आर-पार पर आई

कांग्रेस-भाजपा ने की लोगों से ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील

» राहुल बोले- यह चुनाव संविधान को बचाने की लड़ाई

» कार्यकर्ताओं को संदेश- आप पर बड़ी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल पहले चरण के लिए मतदान होंगे। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान का चुनाव प्रचार थम गया है। सभी पार्टियों ने पहले चरण के चुनाव के लिए जी-जान लगाकर चुनाव प्रचार किया। कांग्रेस, बीजेपी, बसपा, सपा, टीएमसी समेत सभी दलों ने लोगों से मतदान करने की अपील की है। मतदान के एक दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को वीडियो संदेश भेजा है। वहीं बीजेपी नेता व पीएम ने भी पत्र लिखकर संदेश दिया है। उधर राहुल ने यह भी कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है, इसलिए आप सभी पर बड़ी जिम्मेदारी है। 19 अप्रैल को देश में लोकसभा का पहले चरण का मतदान होना है।

भाजपा व कांग्रेस ने एक-दूसरे की पार्टी पर जमकर बयानबाजी की। दोनों ने पार्टी के घोषणापत्रों पर भी खूब कमियां निकाली। उधर राहुल गांधी ने सभी को कहा कि यह चुनाव का समय है, तो जरूरी है आपसे सीधे बात की जाए। यह कोई सामान्य चुनाव नहीं है। यह लोकतंत्र और संविधान को बचाने को लड़ाई है। आप कार्यकर्ताओं पर बढ़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं कहा कि आप सभी में दिल और दिमाग में पार्टी की विचारधारा बसी हुई है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा, आरएसएस भारत के लोकतांत्रिक विचार के खिलाफ है।

देश के वर्तमान को उज्ज्वल भविष्य से जोड़ने का अवसर : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के पहले चरण में चुनाव लड़ रहे सभी भाजपा नीत राजग गठबंधन के सभी उम्मीदवारों को व्यक्तिगत पत्र लिखकर उनसे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए कहा। मोदी ने अपने संदेश में कहा कि यह चुनाव देश के वर्तमान को उज्ज्वल भविष्य से जोड़ने का अवसर है। भाजपा सूत्रों ने मोदी द्वारा भेजे गए दो पत्रों को साझा किया। इनमें एक कोयंबटूर के उम्मीदवार और भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रदेशाध्यक्ष के अन्नामलाई को अंग्रेजी में लिखा गया है जबकि दूसरा हिंदी में भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी को लिखा गया है। बलूनी उत्तराखंड के पौरी गढ़वाल से चुनाव लड़ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री का क्षेत्रीय भाषाओं में संदेश पहुंचाने पर भी फोकस है। मोदी ने पत्र में कहा, मैं आपके लोकसभा मतदाताओं व कार्यकताओं से कहना चाहता हूं कि यह साधारण चुनाव नहीं है। यह चुनाव 50-60 सालों में कांग्रेस के शासनकाल में हमारे परिवार और बुजुर्गों ने जो कष्ट सहे हैं, उनसे मुक्ति पाने का अहम क्षण है। पिछले दस सालों में समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हुए देशवासियों की कठिनाइयों को दूर किया गया है। इस बार हमें मिलना वाला आपका हर वोट एक मजबूत सरकार बनाने और 2047 तक भारत को विकसित बनाने के प्रयासों को गति देने वाला होगा। मोदी ने पत्र में कहा है कि चुनाव के पहले के अंतिम घंटे बेहद अहम होते हैं। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि वह गर्मी और दूसरी असुविधाओं को बर्दाश्त करते हुए राष्ट्र निर्माण का यह मौका गंवाएं नहीं। संभव हो तो सुबह ही मतदान करे। पीएम ने कहा है कि सभी मतदाताओं को आप मेरी तरफ से गारंटी देना कि मोदी का पल-पल देशवासियों के नाम है। अंत में पीएम ने राजग प्रत्याशियों को चुनाव में विजयी होने की शुभकामनाएं दी हैं।

जनता की भाजपा से रक्षा करेगी कांग्रेस : राहुल

पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता सड़कों पर, गांवों में हर जगह आरएसएस की विचारधारा वाले लोगों के खिलाफ लड़ते आए हैं। क्योंकि आप सभी रक्षक हैं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि इस बार कांग्रेस भाजपा और उसकी विचारधारा को हराएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि देश की जनता को यह जानना चाहिए कि भाजपा उन पर किस तरह वार कर रही है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भाजपा का वार लोकतांत्रिक ढांचों का कमजोर कर रहा है। सभी उन्होंने कहा कि हमारी कानूनी ढांचे, चुनाव आयोग सहित सभी लोकतांत्रिक संस्थानों को आरएसएस, भाजपा से बचाने की आवश्यकता है।

इस बार मोदी सरकार का जाना तय : जयराम रमेश

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने राहुल गांधी का वीडियो संदेश सभी का देखने का अनुरोध करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले राहुल का संदेश देखना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार मोदी सरकार का जाना तय है। बस 4 जून का इंतजार है।

थमा चुनावी प्रचार, कल पड़ेंगे पहले चरण के वोट

» 21 राज्यों की 102 सीटों पर होगी वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का प्रचार अभियान यानी 17 अप्रैल की शाम थम गया है। 19 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग होगी। देश के 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर कुल 1626 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। पहले चरण में आठ केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल की किस्मत दांव पर लगी है। जिन 21 राज्यों में 19 अप्रैल को मतदान होना है, वहां प्रचार बुधवार शाम 5 बजे समाप्त हो गया।

आम चुनाव के पहले चरण में 102 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। भाजपा, कांग्रेस और अन्य दलों ने पहले चरण से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव वाले निर्वाचन क्षेत्रों में कई रैलियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के नलबाड़ी और त्रिपुरा के अगरतला में दो चुनावी रैलियां कीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में प्रचार किया, जबकि उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में चुनावी रैली की।

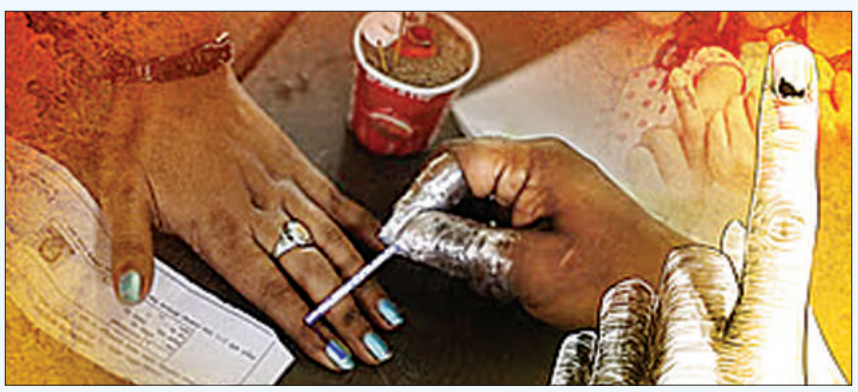

मतदान के लिए 12 पहचान पत्र मान्य

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान के समय ऐसे मतदाता जिनके पास अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र न हो, वे 12 अन्य वैकल्पिक फोटो पहचान पत्रों में से किसी एक को दिखा कर मतदान कर सकेंगे। वैकल्पिक पहचान पत्रों में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंको/डाकघरों द्वारा जारी किए गए फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र,राज्य सरकार,लोक उपक्रम और पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों-विधायकों-विधान परिषद सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्गत कार्ड मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर मतदाताओं की पहचान के लिए अनुमन्य होंगे।

मतदान स्थलों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना

प्रदेश में पहले चरण की आठ लोकसभा सीटों के लिए मतदान 19 अप्रैल को होगा। गुरुवार को मतदान स्थलों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। ये जानकारी उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारीने दी। प्रथम चरण में सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना (अजा),मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत में प्रत्याशियों के भविष्य का फैसला ईवीएम में लॉक हो जाएगा।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए नामांकन शुरू

देश में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए गुरुवार को नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई। भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को राष्ट्रपति की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी की। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की पांच सीट सहित कुल 96 सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में आंध्र प्रदेश (25) और तेलंगाना (17) की सभी सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। आंध्र प्रदेश में 13 मई को लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव भी होंगे। आम चुनाव के चौथे चरण के लिए गजट अधिसूचना जारी कर दी गई है। चौथे चरण का मतदान 13 मई को सुबह 7: 00 बजे से शाम 6: 00 बजे तक कराया जाएगा।

गाजियाबाद से गाजीपुर तक होगा बीजेपी का सफाया : अखिलेश

» यूपी में 80 सीटों पर जीतेगा पीडीए

» झूठे मुकदमे लगाकर भेज रहे जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया और यूपी के पूर्व सीएम ने भाजपा व मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने गाजियाबाद में राहुल गांधी के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गाजियाबाद से गाजीपुर तक भाजपा का सफाया हो रहा है। पीडीए इसबार 80 की 80 सीटें जीतेगी। उन्होंने बीजेपी को भ्रष्टचार का गोदाम बताया। इस पहले सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के नामांकन में पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने कृषि कानून, छुट्टा गोवंश, पेपर लीक समेत अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने होर्डिंग से प्रत्याशियों के फोटो भी हटवा दिए हैं।

अब बस एक फोटो बचा है जो चुनाव के बाद खुद हट जाएगा। परीक्षाओं का पेपर लीक होने पर नौजवानों से नौकरी छीनने और आरक्षण न देने का आरोप लगाया। कहा भाजपा जानबूझकर पेपर लीक करा रही है। उन्होंने अग्निवीर योजना को खत्म करने की भी मांग उठाई। इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर भी अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा। कहा वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों से भी भाजपा ने चंदा लिया। मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव के मैनपुरी आने पर उन्होंने कहा कि सीएम मैनपुरी में विकास देखने आए थे। उन्होंने सैफई के रनवे से लेकर एक्सप्रेस वे और मैनपुरी के फोरलेन देखे। अगर उन्हें जरूरत पड़ेगी तो हम विकास कराने में उनका सहयोग करेंगे। अबकी बार 400 पार नारे को लेकर भी अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा। कहा कि जो 400 पार का सपना देख रहे हैं उन्हें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और झारखंड के सीएम को झूठे मुकदमे लगाकर जेल भेजने की जरूरत क्यों पड़ रही है। सरकारी संस्थाओं आयकर, सीबीआई और ईडी का सहारा भाजपा को क्यों लेना पड़ रहा है।

चौराहे पर बैठकर पंक्चर जोड़ेंगे केशव : रामगोपाल

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद पर जमकर हमलावर रहे। डिप्टी सीएम के साइकिल पंक्चर करने के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि केशव प्रसाद मौर्य को ऐसा कर देंगे कि वे चौराहों पर बैठकर पंक्चर जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब केशव प्रसाद मौर्य को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। सीएम योगी बाबा अपने बगल में डिप्टी सीएम को बैठने नहीं दे रहे हैं। वे यहीं नहीं रुके, डिप्टी सीएम के अखिलेश को सीएम न बनने देने के बयान पर भी उन्होंने पलटवार किया। कहा, क्या केशव प्रसाद खुद मुख्यमंत्री बन गए। उनकी इन्हीं बातों के चलते हमने तय किया था कि उन्हें चुनाव नहीं जीतने देंगे। दो तीन नेता ऐसे थे जो ज्यादा बकवास करते थे उन्हें हमने जीतने नहीं दिया और आगे भी जीतने नहीं देंगे।

सबसे कमजोर प्रत्याशी मंत्री ही होता

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को भाजपा से प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर कहा कि सबसे कमजोर प्रत्याशी मंत्री ही होता है, इसका इतिहास गवाह है। लोकसभा उप चुनाव में भी जयवीर सिंह मंत्री थे, लेकिन फिर भी विधानसभा सदर हार गए थे। उन्होंने कहा कि ये चुनाव संविधान बचाने का है और जनता सही निर्णय करेगी।

यूपी में महिलाएं सुरक्षित नहीं : डिंपल यादव

» बोलीं- सरकार जो कहती है वो कर नहीं पा रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। समाजवादी पार्टी की मैनपुरी सीट से प्रत्याशी डिम्पल यादव ने कहा कि रामनवमी की प्रथा सदियों से चली आ रही है और आगे भी चलती रहेगी। हम सभी ने पूजा की, कन्या पूजन किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी की निश्चित तौर पर इस बार जीत होगी। क्योंकि इस बार लोगों का यह मानना है कि मौजूदा सरकार जो कहती है वो नहीं कर पा रही। उत्तर प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। इससे पहले डिंपल यादव ने मैनपुरी लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है, अब फिर कह रहा हूं कि पश्चिमी यूपी से इस बार बीजेपी का सफाया होने जा रहा है। बता दें कि सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव के तीसरे दौर में सात मई को मैनपुरी में मतदान होगा। सपा संस्थापक और अपने ससुर मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद रिक्त हुई मैनपुरी सीट पर डिंपल यादव ने 2022 के लोकसभा उपचुनाव में जीत हासिल की थी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की उपस्थिति में भाजपा प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को कन्नौज के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संजीव कटियार ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

संविधान खत्म करने वालों को हम खत्म कर देंगे: लालू

» बेटी रोहिणी के प्रचार में पहुंचे राजद प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद प्रचार के अंतिम दिन अपनी बेटी रोहिणी आचार्य के लिए प्रचार करने सारण पहुंचे। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि सारण की जनता ने मुझे राजनीति में पैर रखने को मौका दिया, इसलिए उनके प्रति मेरा विशेष स्नेह है। सारण की जनता का कर्ज मैं कभी नहीं चुका पाऊंगा। लोग मुझसे कहते थे कि आप अपने परिवार से उम्मीदवार दीजिए और एक बैठक के बाद उन्होंने मुझसे रोहिणी आचार्य को उम्मीदवार के रूप में चुनने के लिए कहा, मैंने स्वीकार कर लिया और उन्हें सारण से राजद का उम्मीदवार बना दिया।

इस दौरान लालू यादव ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। लालू यादव ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के संविधान और लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे हम हरगिज मिटने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि हम सब लोग आज के दिन संकल्प लें कि किसी भी कीमत पर बाबा साहब के संविधान को खत्म नहीं होने देंगे। खत्म करने वाले लोग को ही हम खत्म कर देंगे। गौरतलब है कि सारण सीट लालू यादव की पुरानी सीट रही है। सारण सीट से लालू की बेटी रोहिणी का मुकाबला वर्तमान सांसद राजीव प्रताप रूडी से है।

एक दिन केंद्र में बनेगी बसपा की सरकार: मायावती

» बोलीं- दलबदल कानून बनाकर लोकतंत्र को करेंगे मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलवर। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार थमने से पूर्व बसपा प्रमुख मायावती ने बीजेपी व मोदी सराकर पर जमकर हमला बोला। बसपा सुप्रीमो ने अलवर के विजय नगर मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाया कि एक दिन केन्द्र में बसपा की सरकार जरूर बनेगी। तब दलबदल कानून बनाकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने का कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि देश और राज्यों में ज्यादातर समय कांग्रेस की सरकार रही। कांग्रेस ने जनता के साथ गलत किया व झूठे वादे किए। तो उनकी सरकार गई। अब केंद्र में भाजपा की सरकार है। उन्होंने भी जनता से जो वादे की उनका पूरा नहीं किया। सभा में अलवर सहित प्रदेश के अन्य लोकसभा सीट पर बसपा से चुनाव लड रहे प्रत्याशी मौजूद रहे।

बसपा ने जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची

बसपा ने लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस चरण में पार्टी सुप्रीमो मायावती, महासचिव आकाश आनंद, सतीश चंद्र मिश्रा सहित 40 नेता चुनाव प्रचार करेंगे। तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होगा।

मताधिकार का प्रयोग करने की अपील

लोकसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग से पहले बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने मतदाताओं से बड़ी संख्या वोट डालने की अपील की है। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि वो सबसे पहले अपने मताधिकार का प्रयोग करें यही बाबा साहब के प्रति श्रद्धांजलि होगी। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग से भी निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा, देश में 18वीं लोकसभा हेतु सात चरणों में हो रहे आमचुनाव में कल मतदान के पहले चरण से ही, 'पहले मतदान, फिर जलपान' के संकल्प के साथ अपने वोट के बहुमूल्य सवैधानिक अधिकार का निर्भय होकर इस्तेमाल करके देश में गरीबों, मेहनतकशों, वंचितों की बहुजन-हितैषी सरकार चुनें, यही पुरज़ोर अपील। उन्होंने लिखा इसीलिए वोट के अधिकार की रक्षा पूरे जी-जान से करनी है. सावधान रहें आपका कोई वोट खरीदा न जा सके, लूटा न जा सके. कोई वोट पड़ने से न रह जाए तथा धनबल, मन्दिर-मस्जिद आदि के नाम पर आपके वोट का गलत इस्तेमाल न हो। वोट जरूर डालें, यही सबसे बड़ा कर्तव्य व बाबा साहेब को श्रद्धांजलि।

गुलाम नबी आजाद नहीं लड़ेंगे चुनाव

» जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग सीट से किया था नॉमिनेशन, वापस लिया नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने नॉमिनेशन फाइल करने के बाद अपना नाम वापस ले लिया है। गुलाम नबी आजाद जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग सीट से अपना नामांकन दाखिल किया था। आजाद ने 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी। उन्होंने कांग्रेस के साथ अपने पांच दशक लंबे जुड़ाव को समाप्त करते हुए राजनीतिक संगठन डीपीएपी का गठन किया।

इससे पहले, आजाद ने 2014 का लोकसभा चुनाव उधमपुर संसदीय क्षेत्र से लड़ा था और वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता जितेंद्र सिंह से हार गए थे। डीपीएपी के प्रांतीय अध्यक्ष, कश्मीर, मोहम्मद अमीन भट ने कहा कि पार्टी ने अब अपने नेता मोहम्मद सलीम पारे को सीट से मैदान में उतारने का फैसला किया है। उन्होंने कहा। आजाद के साथ एक बैठक हुई और निर्णय लिया गया कि वकील सलीम पारे अनंतनाग-राजौरी सीट के लिए डीपीएपी के उम्मीदवार होंगे। डीपीएपी नेता ने उन कारणों का खुलासा किए बिना कहा कि आजाद के पास चुनाव न लड़ने के कुछ कारण हैं।

उमर अब्दुल्ला ने दी थी चुनौती

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद को चुनौती दी कि वह कैमरे के पीछे छिपने और उनकी पार्टी को निशाना बनाकर बयान देने के बजाय उनके खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ें। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आजाद को अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से डीपीएपी उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया था, लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि वह अपनी उम्मीदवारी को लेकर निश्चित रूप से नहीं बता सकते क्योंकि पार्टी ने उनसे इस बारे में सलाह नहीं ली थी।

मोदी है तो मार्केट है...

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

चुनाव आते ही नेताओं के बिगड़े बोल

एचडी कुमारस्वामी के बयान से मचा सियासी बवाल

- ग्रामीण महिलाओं के रास्ता भटकने की कही थी बात
- कांग्रेस सरकार की ओर से शुरू की गई पांच गारंटी योजनाओं पर की थी चर्चा
- मांड्या में कुमारस्वामी वापस जाओ के नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन
- सिद्धारमैया और शिवकुमार ने भी साधा जेडीएस नेता पर निशाना
- धर्म और राजनीति का घालमेल नहीं करती कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान होने है। इस चरण में लगभग 12 राज्यों के 100 से ज्यादा सीटों पर वोटिंग होनी है। उससे पहले नेताओं के बयानों से सियासी माहौल गरमाने लगा है। विपक्ष जहां सत्ता में बैठी बीजेपी हमलावर हैं वहीं बीजेपी भी मौका मिलने पर विपक्ष को घरेने का कोई मौका नहीं छोड़ता है। वहीं अब जनता दल (सेक्युलर) नेता एच.डी. कुमारस्वामी के उस बयान से सियासी बवाल खड़ा हो गया है जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की ओर से शुरू की गई पांच गारंटी योजनाओं के कारण ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं रास्ता भटक गई हैं। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कथित बयान के खिलाफ कुछ महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर मांड्या में कुमारस्वामी वापस जाओ के नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री मांड्या से ही लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने भी कुमारस्वामी पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर निशाना साधा। कुमारस्वामी ने पूरे प्रकरण पर सफाई देते हुए कहा कि वह केवल महिलाओं को गारंटी योजनाओं के नाम पर कांग्रेस प्रशासन द्वारा उनकी मासूमियत का दुरुपयोग करने को लेकर आगाह कर रहे थे और उन्होंने उनका अपमान नहीं किया है। कुमारस्वामी ने शनिवार को सवाल किया कि सरकार किसकी जेब से गारंटी योजनाओं का वित्तपोषण कर रही है? उन्होंने तुमकुरु में एक रोड शो के दौरान कहा, इस (राज्य) सरकार ने पिछले चुनाव में पांच गारंटी की घोषणा की थी, (जिसकी वजह से), गांवों में हमारी माताएं रास्ता भटक गईं। उन्हें यह सोचना चाहिए कि उनकी और उनके परिवारों की आजीविका का क्या होगा। उन्होंने कहा, उनके (कांग्रेस) पास पांच गारंटियों के अलावा कुछ नहीं है, हर दिन मुख्यमंत्री और उन मुख्यमंत्री की तस्वीरों के साथ अखबारों में गारंटी के बारे में विज्ञापन देकर उन्होंने 400 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मोदी विपक्ष को भ्रष्ट कहते हैं लेकिन उनकी पार्टी दागी नेताओं को शामिल करती है। भाजपा एक ऐसी लॉन्ड्री है जहां भ्रष्टों को मोदी शामिल करते हैं, अमित शाह उन्हें धोने के लिए डालते हैं और गडकरी उन्हें क्लीन चिट देते हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और डॉ. आंबेडकर के प्रयासों से संविधान बनने के बाद लोगों को वोट देने का अधिकार मिला। खरगे ने कहा, कांग्रेस का घोषणापत्र सर्वसमावेशी है और इसमें गरीबों, पिछड़ों, किसानों और समाज के सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी धर्म और राजनीति का घालमेल कर रहे हैं तथा 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करने के लिए कांग्रेस पर हमला कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि सिर्फ उन्हें और सोनिया गांधी को आमंत्रित किया गया। खरगे ने सवाल किया, मोदी कहते हैं कि हम राम के खिलाफ हैं क्योंकि हम प्राण प्रतिष्ठा में शामिल नहीं हुए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या मेरे लोगों (दलितों) को मंदिरों, स्कूलों में प्रवेश है? आपके शासन में यही व्यवस्था है। मैं अकेले कैसे जा सकता हूं जब दलित, पिछड़ों और गरीबों को अनुमति नहीं है? आप यह कहकर मेरा अपमान करते हैं कि मैं नहीं आया लेकिन क्या आपने मेरी पार्टी को आमंत्रित किया? खरगे ने कहा कि सत्तारूढ़ सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नए संसद परिसर की आधारशिला रखने की अनुमति नहीं देकर और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा या संसद के नए भवन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं करके अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का अपमान किया है।

युवा मोदी के झूठ से गुमराह न हों : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नहीं बल्कि सत्तारूढ़ सरकार की मनुवादी विचारधारा के खिलाफ लड़ाई है। नागपुर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता नितिन गडकरी के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार विकास ठाकरे के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि कांग्रेस बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है जो 140 करोड़ भारतीयों के अधिकारों की रक्षा करता है। खरगे ने कहा, ठाकरे कोई नामी गिरामी उम्मीदवार नहीं, बल्कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ता हैं। उन्हें मनुवादी विचारधारा को हराने के लिए चुना गया है। 2024 का लोकसभा चुनाव मोदी या गडकरी के खिलाफ नहीं बल्कि मनुवादी विचारधारा के खिलाफ लड़ाई है। खरगे ने दावा किया कि अगर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत होती है, तो आगे कोई चुनाव नहीं होगा और वे संविधान को खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए काम किया लेकिन

अब मोदी पूछते हैं कि पार्टी ने पिछले 70 वर्षों में क्या किया है? खरगे ने आरोप लगाया, आरएसएस ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कुछ नहीं किया, लेकिन अब वे राम मंदिर और बाबासाहेब आंबेडकर के नाम पर वोट मांगने आते हैं। आंबेडकर की एक तस्वीर तो छोड़िए, इन लोगों ने अपने कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज भी नहीं रखा। उन्होंने कहा कि युवा इन संगठनों का इतिहास नहीं जानते हैं और मोदी के झूठ से गुमराह हैं। खरगे ने कहा कि मोदी के कार्यकाल में देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) 5-6 फीसदी की दर से बढ़ रही है, जबकि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन के दौरान यह 8-9 फीसदी थी।

महिलाओं के प्रति उनकी भावनाओं को दर्शाता है : सिद्धारमैया

कुमारस्वामी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिद्धारमैया ने मदिकेरी में कहा कि यह उनकी मानसिकता और महिलाओं के प्रति उनकी भावनाओं को दर्शाता है। सिद्धारमैया ने कहा, उनके यह कहने का क्या मतलब है कि वे अपना रास्ता भटक गई हैं? दो बार के मुख्यमंत्री होने के नाते, अगर वह महिलाओं के बारे में इस तरह के बयान देंगे, तो क्या लोग इसे बर्दाश्त करेंगे?

कांग्रेस के पास उनके बारे में चर्चा करने के अलावा कुछ और नहीं : कुमार स्वामी

कुमारस्वामी ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि कांग्रेस के पास उनके बारे में चर्चा करने के अलावा कुछ और नहीं है। उन्होंने कहा, कल मैंने कहा था कि गारंटी के नाम पर आपको, गांवों की भोली-भाली महिलाओं को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। मैंने उनसे कहा, आपको ताकत दिए बिना, वे (कांग्रेस सरकार) आपको एक ही स्थिति में बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं जहां आप सहायता मांगते हैं। आप रास्ते से भटके बिना इसके प्रति जागरूक रहें। कुमारस्वामी ने कहा कि उनके मन में महिलाओं के लिए प्रति बहुत सम्मान है, जिन्होंने उन्हें राजनीति में बने रहने की ताकत दी है।

झारखंड में चंपई सोरेन कठपुतली मुख्यमंत्री : बाउरी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के वरिष्ठ नेता अमर कुमार बाउरी ने आरोप लगाया कि चंपई सोरेन कार्यवाहक और कठपुतली मुख्यमंत्री हैं, जबकि झारखंड की सत्ता का केंद्र पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन हैं। बाउरी की टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने कहा कि भाजपा राजनीतिक लाभ लेने के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगियों के बीच भ्रम पैदा करने को आतुर है, लेकिन वह अपने मिशन में सफल नहीं होगी। झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष बाउरी ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जानना चाहा कि कल्पना सोरेन सरकार या सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) में नहीं होने के बावजूद किस हैसियत से बैठकों की अध्यक्षता कर रही हैं। बाउरी ने सवाल किया, मैं चंपई सोरेन से पूछना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह इतने असहाय क्यों हैं? लोकसभा चुनाव के दौरान भी झामुमो उन्हें कोई महत्व क्यों नहीं दे रही है। कल्पना सोरेन के पास सरकार या झामुमो में कोई पद नहीं है। फिर, वह किस हैसियत से सभी बैठकों की अध्यक्षता कर रही है? बाउरी ने कहा कि कल्पना सोरेन का राजनीति में प्रवेश, वंशवाद की राजनीति का सबसे अ'छा उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह झारखंड में सत्ता का केंद्र बन गई हैं। उन्होंने कल्पना सोरेन की

तुलना कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से की, जो मनमोहन सिंह सरकार के दौरान सत्ता का केंद्र बनकर उभरी थीं। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने जमशेदपुर आए बाउरी ने दावा किया, कल्पना सोरेन जो कुछ भी कहती हैं वह झामुमो के लिए सही है, भले ही उनके पास पार्टी में कोई पद नहीं है और न ही वह एक निर्वाचित प्रतिनिधि हैं।

इसका जवाब तो मोदी को देना चाहिए : शिवकुमार

शिवकुमार ने कहा,,मुझे बहुत पीड़ा हो रही है और मैं (ऐसी टिप्पणियो पर) प्रतिक्रिया नही देना चाहता। राज्य की स्वाभिमानी महिलाएं मुझे हजारो फोन कॉल कर रही है, उनकी स्थिति ऐसी है कि वे (कुमारस्वामी के बयान के खिलाफ) बगावत करने के लिए तैयार है। उन्होने कहा, गारंटी योजनाओ से करोड़ो महिलाओ को फायदा हो रहा है, अगर वह

(कुमारस्वामी) कहते है कि इन योजनाओ के कारण महिलाएं रास्ता भटक गई है, तो मै उनसे (टिप्पणियो के लिए) माफी मांगने के लिए नही कहूंगा...प्रधानमंत्री (नरेन्द्र)मोदी, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी को इसका जवाब देना चाहिए, क्योकि वह अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन मे सहयोगी है, कोई भी हमारी माताओ और बहनो के खिलाफ इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी बर्दाश्त नही कर सकता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बीजेपी के गले की फांस बनी बृजभूषण की 'शरण'

पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश काफी अहम है। क्योंकि यूपी देश का सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाला राज्य है। प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें देश की सत्ता पर राज करने में अहम भमिका निभाती हैं। यही वजह है कि हर राजनीतिक दल प्रदेश में बेहतर प्रदर्शन करना चाहता है। भाजपा भी इसी कोशिश में लगी है। पार्टी अब तक प्रदेश की अधिकतर सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान भी कर चुकी है।

लोकसभा चुनावों में अब ज्यादा वक्त बाकी नहीं रह गया है। 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होने के साथ देश में सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनावों का आगाज हो जाएगा। ऐसे में सभी राजनीतिक दल पूरी ताकत के साथ अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच अबकी बार 400 पार का लक्ष्य लेकर चल रही भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनाव करीब आते-आते राह काफी मुश्किल होती जा रही है। पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश काफी अहम है। क्योंकि यूपी देश का सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाला राज्य है। प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें देश की सत्ता पर राज करने में अहम भमिका निभाती हैं। यही वजह है कि हर राजनीतिक दल प्रदेश में बेहतर प्रदर्शन करना चाहता है। भाजपा भी इसी कोशिश में लगी है। पार्टी अब तक प्रदेश की अधिकतर सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान भी कर चुकी है। लेकिन अब तक बृजभूषण शरण सिंह के प्रतिनिधित्व वाली कैसरगंज लोकसभा सीट को लेकर भाजपा में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। दरअसल, ये स्थिति इसलिए बनी हुई है क्योंकि एक ओर भाजपा बृजभूषण को टिकट देना भी नहीं चाह रही है। तो वहीं दूसरी ओर बृजभूषण का टिकट काटने में भी बीजेपी के हाथ-पैर फूल रहे हैं।

दरअसल, बृजभूषण शरण सिंह एक कद्दावर व्यक्तित्व के नेता हैं। कुश्ती संघ में वो बड़े पद तक रह चुके हैं। लेकिन पिछले साल हुए पहलवानों के आंदोलन ने बृजभूषण के दामन पर ऐसे दाग दे दिए हैं, जिसको लेकर भाजपा भी अब खुलकर उन पर दांव लगाने में हिचक रही है। क्योंकि इस बार 400 पाने का ख्वाब बांधे बैठी भाजपा किसी भी सीट पर कोई गलती नहीं करना चाह रही है और न ही विरोधियों को मौका देना चाह रही है। क्योंकि महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न के आरोप के बाद लगभग पूरा हरियाणा व पश्चिमी यूपी बृजभूषण के खिलाफ लामबंद हैं। इसमें भी खासकर जाट। हरियाणा की आबादी का लगभग 28त्न (मतदाताओं का एक चौथाई) जाट हैं। उत्तरी हरियाणा को छोड़कर राज्य में हर जगह जाटों का गढ़ है। ऐसे में चुनाव में यह नाराजगी भाजपा पर भारी पड़ सकती है। इस कारण पार्टी एक सीट के लिए पूरे हरियाणा व पश्चिमी यूपी को प्रभावित नहीं होने देना चाहेगी। इसीलिए कद्दावर बृजभूषण पर भी सांसद होने के बाद भी पार्टी फैसला लेने में इतनी देर लगा रही है। क्योंकि अगर बीजेपी ने बृजभूषण को फिर से टिकट दिया तो बेशक विपक्ष को घर बैठे एक मुद्दा मिल जाएगा। वैसे बृजभूषण को लेकर बीजेपी इसलिए भी असमंजस में है क्योंकि इससे पहले बृजभूषण पार्टी में रहते हुए भी पार्टी के खिलाफ जा चुके हैं। एक डर बीजेपी को ये भी है कि कहीं बृजभूषण का टिकट काटने पर ये कद्दावर नेता निर्दलीय या किसी अन्य दल से न मैदान में उतर जाए। फिलहाल भाजपा ने भले ही कैसरगंज से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन बृजभूषण ने गाड़ियों के काफिले और अघोषित रैलियों से दबाव का दांव जरूर चल दिया है। ऐसे में बृजभूषण भाजपा की गले की वो फांस बन गए हैं, जिसे न पार्टी उगल पा रही है न निगल पा रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रभावी हो सकते हैं चुनाव पर आर्थिक कारक

राजेश रामचंद्रन

क्या यह घड़ी 2004 जैसी है? चौंकाने वाले परिणाम के साथ वह आम चुनाव विशेष रहा -न केवल हारने वाले के लिए बल्कि जीतने वाले के लिए भी- और राजनीतिक पंडितों पर काफी देर तक इन नतीजों का असर बना रहा कि कैसे मायावी प्रचार की परिणति सत्ता में बदलाव बनकर आई। तथ्य यह है कि कांग्रेस ने जीत के लिए विशेष प्रयास नहीं किए थे लेकिन भाजपा के 'शाइनिंग इंडिया' नारे ने यह हाल करवा दिया। क्योंकि अधिकांश लोगों के लिए 'चमकता भारत' जैसा कुछ नहीं था, लिहाजा किसी नारा-लेखक की कलम से निकली यह चतुराई भरी पंचलाइन उलटी पड़ गयी। यहां जो बात 2004 के चुनावी परिदृश्य की याद दिला रही है, वह है सीएसडीएस द्वारा करवाया हालिया सर्वे- यह एक थिंक टैंक है जिसकी स्थापना तकरीबन 60 साल पहले राजनीतिक विज्ञान के माहिर रजनी कोठारी, डीएल शेठ और आशीष नंदी द्वारा की गई थी।

इस सर्वे के परिणाम बीते बृहस्पतिवार को एक राष्ट्रीय दैनिक अखबार में छपे। इसके मुताबिक, मुख्य चुनावी मुद्दा हिंदुत्व न होकर बेरोजगारी और कीमतों में वृद्धि (महंगाई) है (यानी कि यह मुख्य चिंता है, जैसा कि सर्वे ने परिभाषित किया है)। राम मंदिर और भ्रष्टाचार, दोनों 8 प्रतिशत सहित, मुद्दों की सूची में पांचवें पायदान पर हैं जबकि मुख्य चिंताओं के क्रम में, रोजगार (27), महंगाई (23), विकास (13) और अन्य (9 प्रतिशत) इनसे ऊपर हैं। सर्वे में बेरोजगारी को लेकर संत्रास का स्तर चौंकाता है। सर्वेकर्ताओं का दावा है कि यह अध्ययन 19 सूबों के 100 संसदीय चुनाव क्षेत्रों में 400 मतदान केंद्रों के अंतर्गत 10,019 लोगों से बातचीत पर आधारित है। सर्वे में भाग लेने वालों में लगभग 62 प्रतिशत का कहना है कि नौकरी पाना मुश्किल हो गया है, स्थिति बड़े शहरों में छोटे कस्बों व गांवों के मुकाबले ज्यादा दुरूह है। यह चिंताजनक आंकड़ा है। आम नागरिकों में सबसे बड़ी संख्या रखने वाले वर्ग में रोजगार की उपलब्धतता किसी समाज की प्रगति का वास्तविक पैमाना होता है न कि स्टॉक सूचकांक में हो रही उत्तरोत्तर बढ़ोतरी या फिर भारतीय खरबपतियों की संपत्ति में होता इजाफा।

वर्ष 2004 में भले ही सत्ताधारियों के मुताबिक तो भारत चमक रहा था किंतु गरीबों के लिए ऐसा कुछ नहीं था, लिहाजा उन्होंने अपना गुस्सा मतदान से

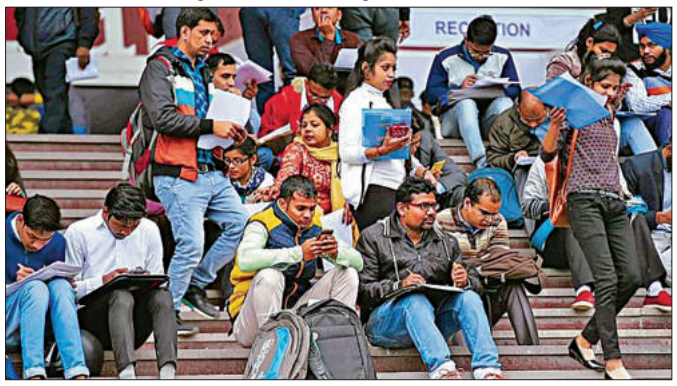

जाहिर कर दिया। जिस अन्य मुद्दे ने गरीब इंसान पर चोट की है वह है कीमतों का बढ़ना : अध्ययन में भाग लेने वालों में 71 प्रतिशत ने बढ़ती महंगाई की बात की है और गरीब तबके में यह आंकड़ा इससे भी ऊपर है- उनमें 76 प्रतिशत परेशान हैं। इस पर भाजपा को बैठकर ध्यान देना और मनन करना चाहिए। बेरोजगारी और महंगाई, जीवनयापन से जुड़े दो ऐसे मुद्दे हैं, जिनकी अहमियत पहचान आधारित राजनीति से कहीं ऊपर है। यदि सबसे बुरी तरह प्रभावित मतदाता परेशान है और बहुत विशाल संख्या में है, तो जनमत-निर्माता और सोशल मीडिया इन्फलुएंसर जो मर्जी कहें, हकीकत में इनका कोई असर नहीं और सर्वे के मुताबिक, सच सिर्फ यही है। 2004 के विपरीत, कदाचित वर्तमान केंद्र सरकार को व्याप्त संत्रास के बारे में जानकारी है। चुनाव पूर्व इसकी तमाम गतिविधियां दर्शाती हैं कि सत्ताधारी दल को सुधारक उपाय करने की जल्दी लगी है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, भाजपा या तो स्थानीय भागीदारों से गठबंधन कर रही है या यह सुनिश्चित करने में लगी है कि चुनाव तीन या चार कोणीय बन जाए ताकि विपक्ष के मत बंट सकें। कम-से-कम ऊधमपुर में गुलाम नबी आजाद की पार्टी ने यह सुनिशिचत कर दिया है कि चुनावी मुकाबला बहु-कोणीय हो जाए, उम्मीद है उनका प्रत्याशी गुलाम मोहम्मद सरूरी मुस्लिम वोटें विभक्त करेगा। पंजाब में भी मुकाबला चार कोणीय बनने से नतीजे मिले-जुले रहने का कयास है, यह स्थिति रिवायती तौर पर दो बड़े दलों के बीच होते आए चुनावी संग्रामों से अलग है। हरियाणा में जेजेपी का भाजपा से आहिस्ता से गठबंधन तोड़कर अलग होने का फायदा सिर्फ सत्ताधारी दल को होगा क्योंकि विपक्ष की जाट वोटें बंट जाएंगी।

चौटाला कुनबे की दो पार्टियां चुनावी संग्राम में हैं जेजेपी और भारतीय राष्ट्रीय लोकदल और उम्मीद के मुताबिक दोनों ही जाट वोटों का एक हिस्सा ले पाने में सफल होंगे, जो अन्यथा कांग्रेस के भूपिंदर सिंह हुड्डा की झोली में जातीं। अब, बीरेंद्र सिंह और उनके पुत्र की कांग्रेस में वापसी होने से, जाटों में पार्टी की साख में बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाने के पीछे भाजपा की मंशा यही है कि शायद इससे मनोहर लाल खट्टर के राज से मतदाताओं में बनी नाराजगी से पार पाया जा सकेगा।

सस्ता हवाई सफर अब भी दूर का सपना

सुषमा रामचंद्रन

भारतीय हवाई यात्रा उद्योग कोविड-19 महामारी में बनी मंदी के बाद तेजी से पुनर्स्थापित हो रहा है, पिछले दो सालों में यात्रियों की संख्या में गुणात्मक बढ़ोतरी हुई है। इस पुन:प्राप्ति के दौरान दो बड़े प्रसंग भी घटे, एक है एयर इंडिया का निजीकरण और दूसरा, भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा 970 नए हवाई जहाजों का भारी क्रय- आदेश। हालांकि अनेकानेक रुकावटों की वजह से इस क्षेत्र की राह इतनी आसान भी नहीं रही। ऐसा एक प्रसंग है हाल ही में विस्तारा विमानन कंपनी को दरपेश पायलट संकट, यह कंपनी टाटा और सिंगापुर एयरलाइन का संयुक्त उपक्रम है। इससे उड़ानों की संख्या पर फर्क पड़ा और इसके ग्राहक अन्य कंपनियों का रुख करने लगे। हवाई यात्रा की मुश्किलों में आगे इजाफा हुआ, जब इंडिगो जैसी विमानन कंपनी को मरम्मत संबंधी कारणों से अपनी उड़ान संख्या घटानी पड़ी, तिस पर नए जहाजों की आमद भी धीमी है।

उक्त प्रसंग पिछले साल गो फर्स्ट जैसी कम हवाई भाड़े वाली कंपनी को पेश आई समस्या के समांतर घटित हुए। प्रैट एंड व्हिटनी के बने इंजनों में आ रही समस्या के चलते गो-फर्स्ट को पहले आधी उड़ानें रद्द करनी पड़ी और अंतत: खुद को दिवालिया घोषित करने की अर्जी दाखिल करनी पड़ी। घरेलू विमानन उद्योग में उथल-पुथल वैश्विक विमानन क्षेत्र में मची खलबली की झलक है। जिसमें बोइंग कंपनी के उच्चतम स्तर का प्रशासक मंडल सुरक्षा संबंधी कमियों का हल निकालने में बेतरह उलझा पड़ा है। जनवरी माह में कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को इस्तीफा देना पड़ गया, जिसके पीछे मुख्य वजह रही अलास्का एयरलाइंस के मैक्स 737 विमान के दरवाजे का नियंत्रण पैनल खराब होना। जहां एक ओर कारणों की जांच अभी जारी है वहीं पूर्व में बोइंग के मैक्स 737 जहाज गिरने और कुछ हालिया घटनाओं के चलते, विमानों की सुरक्षा को लेकर बनी चिंताओं के कारण कंपनी को लगातार समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। एयर इंडिया और अलास्का एयरलाइंस ने इस नामी विमान निर्माता कंपनी से कम-से-कम 400 नए हवाई जहाज खरीदने का करार किया है। बोइंग की मुश्किलों पर नजदीकी निगाहें लगी हैं क्योंकि सैकड़ों यात्रियों की जान को जोखिम वाले कारण की वजह से व्यावसायिक हवाई जहाजों में सुरक्षा को उच्चतम तरजीह देना सर्वोपरि होता है।

टाटा के मामले में स्थिति और भी जटिल है, वह एयर इंडिया को समाहित करके एक संयुक्त कंपनी बनाने के भारी-भरकम काम में पहले से उलझी पड़ी है। विस्तारा, जिसे वर्तमान में उथल-पुथल का सामना करना पड़ा रहा है, उसे भी एयर इंडिया में शामिल कर लिया गया है, लेकिन यह करने पर इसके 'जटिल रुतबे' पर असर पड़ा, क्योंकि इसके अधिकांश ग्राहक बिजनेस क्लास में चलने वाले अमीर यात्री हैं। देश में किफायती हवाई सफर की मांग में भारी उछाल के बावजूद विस्तारा ने एक संपूर्ण-सेवा प्रदान करने वाली एयरलाइंस बने रहकर अपना एक अलग उच्च मुकाम कायम रखा था। अब कार्यरत स्टाफ को अन्यत्र स्थानांतरित करना पड़ेगा, वह भी वैकल्पिक वेतनमान और प्रदर्शन मानकों सहित।

यह रणनीति अब तक कारगर नहीं रही। हाल-फिलहाल, विस्तारा उड़ानों की संख्या में हेर-फेर से अपनी उड़ान-सारिणी पर पूर्ववत अमल करने की कोशिशें कर रही हैं लेकिन उसको अपने अमीर ग्राहकों पर आधारित यदि उच्च दर्जे वाला रुतबा कायम रखना है तो दीर्घकाल में एक अधिक व्यावहारिक नीति की जरूरत पड़ेगी। विमानन कंपनियों का विलय करने पर दरपेश तंत्रगत जटिलताएं तब भी देखने को मिली थीं जब वर्ष 2007 में दो सरकारी विमानन कंपनियों, एयर एंडिया और इंडियन एयरलाइंस, को मिलाकर कर एक संयुक्त इकाई बनाया गया था। यह काम तत्कालीन नागरिक उड्डयन मंत्री प्रफुल्ल पटेल की अगुवाई में हुआ था, जिन पर बाद में बेमेल मुनाफा बनाने वाली कंपनियों को एक करने का इल्जाम लगा था। उन्होंने एक स्वस्थ और मुनाफादायक घरेलू विमानन कंपनी इंडियन यानी एयरलाइंस को बीमारू और घाटे में चलने वाली अंतर्राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर इंडिया के साथ मिलाकर, एक संयुक्त इकाई बना दिया। इस एकीकृत इकाई को एक दक्ष एवं मुनाफा-प्रदत्त कंपनी बनाने में असंख्य मुश्किलें पेश आईं। लेकिन एयर इंडिया-विस्तारा के विलय को इस पिछले प्रसंग की तरह लेना सही नहीं होगा और यह तुलना भी ठीक नहीं है।

कंपनी पायलटों के फ्लाइट रोस्टर को लेकर बनी समस्याओं को सुलझाने में प्रयासरत है। उम्मीद करें कि इसका दीर्घकाल उद्देश्य होगा कि विस्तारा को एयर इंडिया के बैनर तले एक संपूर्ण सेवा प्रदाता बनाए रखा जाएगा, क्योंकि इससे ग्राहकों को चुनाव के लिए बृहद विकल्प मिल सकेंगे। जहां तक इंडिगो की बात है, यह विमानन कंपनी भारतीय नभ पर चहुंओर छायी हुई है। नागरिक उड्डयन क्षेत्र के विकास के लिए यह स्थिति सामान्य तौर पर और उपभोक्ता के लिए विशेष तौर पर चिंताजनक है। उड़ानों के मामले में अपनी सर्व-व्यापक उपस्थिति और पहुंच एवं यात्रियों की सबसे बड़ी संख्या पाकर, इसने सुनिश्चित किया कि किफायती एयरलाइन वाले मूल सिद्धांत से धीरे-धीरे परे हटा जाए। जहां इसकी फ्लाइटों में सीट चयन में अतिरिक्त शुल्क भरना पड़ता है वहीं केबिन में मिलने वाली खाने-पीने की वस्तुएं बहुत महंगी हैं। सीजन के मुताबिक किराए में तीखी वृद्धि, जैसा कि इस वक्त चल रहा है, और अतिरिक्त शुल्क चुकाने का मतलब है कि इसको अब इसको बजट एयरलाइंस कहना मुश्किल है।

अच्छी नींद एक स्वस्थ शरीर के लिए काफी आवश्यक है। अगर आप अच्छी नींद लेते हैं तो वो आपको कई बीमारियों से बचा सकती है। अच्छी नींद आने के लिए जरूरी है अच्छी दिनचर्या और स्वस्थ खान पान।

अच्छी नींद के लिए करें ये योगासन

बहुत से लोग रात में ठीक से नींद न आने की समस्या से परेशान रहते हैं। पूरे दिन की थकान के बाद वह जब बिस्तर पर लेटते हैं तो आंखों में नींद नहीं होती है। सोना तो चाहते हैं लेकिन करवट बदलते रहते हैं। घंटों बिस्तर में लेटे रहने के बाद भी उन्हें नींद नहीं आती और इसी तरह सुबह हो जाती है। नींद किसी भी व्यक्ति की सेहत के लिए जरूरी है। अच्छी और जरूरत भर की नींद न लेने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि लोगों को कई कारणों से नींद की शिकायत हो सकती है। इसमें से एक गलत लाइफस्टाइल भी एक कारक है। हर व्यक्ति को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेनी चाहिए, लेकिन बिस्तर पर लेटने के बाद अगर आंखों में नींद न हो और आप रातभर करवट बदलते रहते हैं तो आपको कुछ तरीके अपनाकर सोने की आदत डालनी चाहिए। सबसे पहले तो रात में फोन, टीवी के इस्तेमाल से बचें। वहीं अच्छी नींद के लिए बिस्तर जाने से पहले कुछ योग मुद्रा का अभ्यास करें। योग नींद की शिकायत को कम करता है।

बालासन

नींद की समस्या से परेशान हैं तो रात में बिस्तर पर लेटने से पहले बालासन का अभ्यास करना शुरू कर दें। इस आसन के नियमित अभ्यास से अच्छी नींद तो आती ही है, साथ ही पेट मजबूत होता है, जिससे पाचन शक्ति में सुधार होता है। मांसपेशियो को आराम मिलने से मिनटों में नींद आ जाती है। बालासन करने के लिए अपनी योगा मैट या ज़मीन पर वज्रासन में बैठ जाएं। अब श्वास अंदर लेते हुए दोनो हाथों को सीधा सिर के उपर उठा लें। हथेलियाँ नहीं जोड़नी हैं। अब श्वास बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। ध्यान रहे कि कूल्हे के जोड़ों से झुकना है, ना कि कमर के जोड़ों से। तब तक आगे झुकते रहें जब तक की आपकी हथेलियां ज़मीन पर नहीं टिक जातीं। अब सिर को ज़मीन पर टीका लें। अब आप बालासन की मुद्रा में हैं पूरे शरीर को रिलॅक्स करिए और लंबी श्वास अंदर लें और बाहर छोड़ें। दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में सख्ती से जोड़ लें। इनके बीच में आपको सिर रख कर उसे सहारा देना है। अब सिर को दोनों हथेलियों के बीच में धीरे से रखें। सांस सामान्य रखें।

शलभासन

शलभासन एक प्राचीन योग मुद्रा है, जिसका नाम शलभ और आसन दो शब्दों से मिलकर बना है। शलभासन के अभ्यास से मांसपेशियों में खिचांव आता है और शरीर की थकान कम होती है, जिससे अच्छी नींद आती है। इस आसन को करने के लिए मैट पर पेट के बल लेट जाएं, माथे को मैट पर रखें और बाहों के अपनी बगल में ही रखें, दोनों टांगों में थोड़ी सी दूरी बना लें और गहरी सांस लेते हुए सिर को उठाएं, इसके बाद सांस छोड़ते हुए दोनों हाथों और छाती को हवा में उठाएं, हाथों को ऊपर उठाने के दौरान हथेलियों को नीचे की तरफ ही रखें, जांगों की मदद से पैरों टांगों को थोड़ा और ऊपर उठाएं और इसके साथ हाथों को भी ऊपर उठाने की कोशिश करें।

उत्तानासन

उत्तानासन के नियमित अभ्यास से बिस्तर पर लेटते ही कुछ मिनटों में नींद आने लगती है। इससे नींद की समस्या दूर होने के साथ ही कई और स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिलती है। अपने पैरों को फैला कर खड़ी हो जाएं और हाथों को कूल्हों पर रखें. सांस छोड़ते हुए सामने की ओर झुकें। यह ध्यान रखें कि आपका सिर और पूरा शरीर एक सीधी लाइन में हो। थोड़ा और झुकें और अपनी हथेलियों को ज़मीन पर रखें. यदि आपकी हथेली ज़मीन तक नहीं पहुंच पा रही हों तो थोड़ा और आगे झुक जाएं। ध्यान रहे कि आगे झुकते हुए घुटनों को न मोड़ें। 30 सेकेंड तक इसी मुद्रा में रहें और फिर सीधी खड़ी हो जाएं।

हंसना मना है

भिखारी: साहब एक रुपया दे दो। साहब: तुम्हे शरम नही आती, रोड पर खड़े होकर भीख मांगते हो, भिखारी: अब तुझे एक रूपये मांगने के लिए ऑफिस खोलुं क्या?

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल पर, इसे कहते हैं रिसायक्लिंग।

पत्नी: आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति: क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है.. पत्नी गुस्से से: तुम्हे पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति: नहीं.. बताओ तो जरा.. पत्नी: जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

बाप- 5 के बाद क्या आता है? बेटा- 6 और 7 पापा! बाप- शाबाश बेटा मेरा तो बहुत इंटेलीजेंट है, अच्छा तो 6, 7 के बाद! बेटा- 8, 9, 10 बाप- और उसके बाद? बेटा- और उसके बाद गुलाम, बेगम और बादशाह!

टीचर : एक टोकरी में 10 आम हैं, उसमें से 2 आम सड़ गए, बताओ कितने आम बचे? संजू : सर , 10 आम, टीचर : वो कैसे? संजू : सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेगा ना , केले तो बन नहीं जायेंगे, आज संजू एक वकील है।

कहानी | नकली तोता

एक घने जंगल में विशाल बरगद के पेड़ पर बहुत सारे तोते रहा करते थे। उन्हीं में एक मिट्ठू नाम का तोता भी था। वह बहुत कम बोलता था। इससे सब उसका मजाक उड़ाया करते थे, लेकिन वह कभी भी किसी की बात का बुरा नहीं मानता था। एक दिन दो तोते आपस में बात कर रहे थे। पहला बोला-मुझे एक बार बहुत अच्छा आम मिला था। दूसरे ने जवाब दिया- मुझे भी एक दिन आम का फल मिला था, मैंने भी बड़े चाव से उसे खाया था। वहीं, मिट्ठू तोता चुपचाप बैठा था। तब मुखिया ने कहा- अरे हम तोतों का तो काम ही होता है बात करना, तुम क्यों चुप रहते हो? तुम तो मुझे असली तोते लगते ही नहीं। तुम नकली तोते हो। इस पर सभी उसे नकली तोता कहकर बुलाने लगे। फिर एक दिन रात में मुखिया की बीवी का हार चोरी हो गया। मुखिया की बीवी ने कहा- वो हमारी ही झुंड में से एक है। मुखिया ने तुरंत सभा बुलाई। मुखिया ने कहा- मेरी बीवी ने उस चोर को भागते हुए भी देखा है। वह चोर आप लोगों में से ही कोई एक है। उसने मुंह को कपड़े से ढककर रखा हुआ था, लेकिन उसकी चोंच बाहर दिख रही थी। उसकी चोंच लाल रंग की थी। अब सभी की निगाह मिट्ठू तोते और हीरू नाम के एक दूसरे तोते पर थी, क्योंकि इन्हीं दोनों की चोंच लाल रंग की थी। मुखिया ने सोचा कि ये दोनों मेरे अपने हैं। इसलिए, मुखिया ने एक कौवे से इसका पता लगाने के लिए मदद ली। कौवे ने लाल चोंच वाले हीरू और मिटठू तोते को बुलाया। कौवे के पूछने पर हीरू तोता बोला मैं उस दिन बहुत थक गया था। इसलिए, खाना खाकर सोने के लिए चला गया था। वहीं मिट्ठू तोते ने कहा-मैं उस रात सो रहा था। कौवे ने फिर पूछा- तुम दोनों अपनी बात साबित करो। हीरू बोला-मैं रात सो रहा था। सब जानते हैं। ये चोरी मिटठू ने ही की होगी। मिट्ठू बोला- मैंने यह चोरी नहीं की है। कौवा बोला कि चोर का पता लग गया है। कौवे ने बताया कि चोरी हीरू तोते ने की है। मुखिया ने पूछा- आप यह कैसे कह सकते हैं? कौवे ने कहा- हीरू जोर-जोर से बोलकर झूठ को सच साबित करने में लगा था, जबकि मिट्ठू सच बोल रहा है। इसलिए आराम से कह रहा था। इसके बाद हीरू ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और सभी से माफी मांगी। यह सुनकर सभी तोते हीरू तोते को कड़ी सजा देने की बात कहने लगे, लेकिन मिट्ठू तोते ने कहा- मुखिया जी, हीरू तोते ने अपनी गलती मान ली है। उसने सबके सामने माफी भी मांग ली है। उससे पहली बार यह गलती हुई है, इसलिए उसे माफ किया जा सकता है। यह बात सुनने के बाद मुखिया ने हीरू तोते को माफ कर दिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा।

वृषभ

लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। शत्रु पराजित होंगे।

मिथुन

कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे।

कर्क

यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता।

सिंह

प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा।

कन्या

बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा।

तुला

स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा।

वृश्चिक

लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना।

धनु

भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा।

मकर

जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे।

कुम्भ

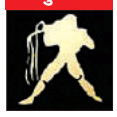

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना।

मीन

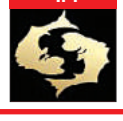

रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी।

मैंने सिद्धार्थ रॉय संग शादी के बारे में कभी सोचा नहीं था : विद्या बालन

फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन ने एक आदर्श रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। बताया कि उन्होंने अपने पति सिद्धार्थ रॉय कपूर से मिलने से पहले कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और पद्मश्री से सम्मानित भारतीय सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस में से एक विद्या बालन ने 2012 में फिल्म निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी की थी। यह पूछे जाने पर कि उनके अनुसार, एक आदर्श रिश्ते का मंत्र क्या है,

विद्या ने बताया, मुझे नहीं लगता कि कोई मंत्र है। कम से कम मुझे तो यह पता नहीं चला... मंत्र हर रिश्ते के लिए अनोखा होता है। कोई आपके कान में ये मंत्र नहीं बताएगा। हर रिश्ते का अपना एक अनोखा मंत्र होता है। रिश्तों को लेकर विद्या की समझ विकसित हुई है। उन्होंने कहा, शादी के 12 साल और डेटिंग के वर्षों के दौरान रिश्तों के बारे में मेरी समझ बदल गई है। शादी के बारे में मेरी समझ बढ़ी है। मैं उनमें से नहीं हूं जिसने शादी से पहले उसके बारे में सोचा हो। उन्होंने आगे कहा, इन सालों ने मुझे सिखाया है, और मुझे यकीन है कि गुजरते समय के साथ मैं रिश्ते को समझना और विकसित करना जारी रखूंगी।

बॉलीवुड | गपशप

दो और दो प्यार में आएंगी नजर

उन्होंने आगे कहा, मेरा मतलब सिर्फ अफेयर से नहीं है, बल्कि किसी अन्य रिश्तेदार या दोस्त से भी है। ये रिश्ता सिर्फ दो लोगों के बीच का है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने वर्षों से समझा है। विद्या अब अपनी आगामी फिल्म दो और दो प्यार की तैयारी कर रही हैं, जो 19 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म में प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और सेंथिल राममूर्ति भी हैं।

हालांकि, विद्या ने रिश्ते को स्वस्थ रखने के लिए एक बात शेयर की। विद्या ने कहा, एक बात जो मैं निश्चित रूप से जानती हूं वह यह है कि किसी जोड़े के बीच रिश्ते में, चाहे वह विषमलैंगिक हो या समान-लिंग वाला हो, आप किसी तीसरे व्यक्ति को शामिल नहीं कर सकते।

पार्टी ने नहीं बल्कि किरण खेर ने खुद चुनाव लड़ने से किया इनकार

दो बार लोकसभा चुनाव में अपनी परचम लहरा चुकीं किरण खेर इस बार चुनावी मैदान से दुरी बनाए हुए हैं। वे चंड़ीगढ़ से दो बार सांसद रह चुकी हैं। किरण खेर बीजेपी का एक लोकप्रिय चेहरा हैं। अब उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वे चुनाव क्यों नहीं लड़ रही हैं।

किरण ने सोशल मीडिया पर उड़ रही अफवाहों के बीच मीडिया के साथ बातचीत में चुनाव न लड़ने के बारे में खुलकर बात की है। एक्ट्रेस ने कहा, पार्टी ने उन्हें चुनाव लड़ने से मना नहीं किया था, बल्कि उन्होंने खुद चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था। इसे लेकर उन्होंने अपनी पार्टी से भी बात की थी। मालूम हो कि किरण खेर का हाल ही में कैंसर का इलाज हुआ था।

किरण खेर ने आगे कहा कि उन्होंने दो महीने पहले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और देश के गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने दोनों बड़े नेताओं के सामने खुद को चुनाव से मुक्त करने की बात कही थी। अपनी सेहत के बारे में बताते हुए किरण ने कहा कि जब वे बीमार पड़ी थीं तो उन्हें इलाज के लिए लगभग एक साल तक मुंबई में रहना पड़ा था। उस साल वो अपने लोकसभा क्षेत्र चंडीगढ़ में नहीं जा पाई थीं। किरण ने कहा कि इसी वजह के चलते वह नहीं चाहती कि उनकी अनुपस्थिति के कारण उनकी पार्टी को कोई नुकसान उठाना पड़े।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे पास न तो पैसे हैं और न ही ब्यॉयफ्रेंड : मनीषा

सोशल मीडिया स्टार मनीषा रानी ने झलक दिखला जा-11 की ट्रॉफी अपने नाम की है। मनीषा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी जिंदगी से जुड़ी अपडेट्स को फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में मनीषा ने एक वीडियो ब्लॉग शेयर किया है, जिसमें वे रियलिटी शोज के बारे में खुलकर बात करती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर मनीषा का यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। मनीषा रानी ने सोशल मीडिया पर अपनी बात को बेबाकी से रखा। हाल ही में मनीषा ने अपने एक वीडियो में खुलासा किया कि अभी तक झलक दिखला जा 11 के मेकर्स ने उन्हें पूरी पुरस्कार राशि नहीं दी है। मनीषा कहती हैं, ये रियलिटी शो की असलियत है। मनीषा रानी ने अपना बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि, लोगों को लगता है कि मुझ पर पैसों की बारिश हो रही है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। मुझे अभी तक झलक दिखला जा 11 की पुरस्कार राशि नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि साथ जब मिलेगी तब उसमें टैक्स और दूसरी चीजों के लिए आधे पैसे कट जाएंगे। पैसों की बारिश उन्हीं पर होती है, जिनके करोड़पति ब्यॉयफ्रेंड होते हैं। मेरे पास न तो पैसे हैं और न ही ब्यॉयफ्रेंड। यह पहली बार नहीं हुआ है कि रियलिटी शो के मेकर्स के ऊपर पैसे न देने का आरोप लगा हो, मनीषा रानी से पहले बिग बॉस मराठी के विनर शिव ठाकरे भी शो के मेकर्स पर पैसे नहीं देने का आरोप लगा चुके हैं, शिव ने एक इंटरव्यू में बताया था कि न तो उन्हें जीत की पूरी राशि मिली और न ही उन्हें वो पैसे मिले जो उन्होंने शो में अपने माता-पिता को लाने के लिए लगाए थे।

क्या आपको मालूम है? सांपों के फुफकारने का क्या मतलब, क्यों निकालते हैं जीभ

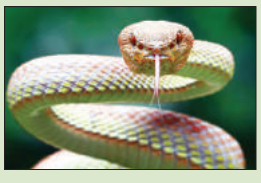

कुत्ते, बिल्लियां या फिर सांप... सब एक तरह की आवाज निकालते हैं। इस ध्वनि को निकालने के लिए इंसानों को तो अपनी जीभ को अपने सामने के दातों के सामने रखना पड़ता है। लेकिन सांपों के तो आगे के दांत ही नहीं होते, फिर वे फुफकार कैसे मारते हैं? कभी कभी तो वे उसी समय अपनी जीभ भी बाहर निकाल लेते हैं। आखिर ये होता कैसे है? साइंटिस्ट ने इसके बारे में बताया है। लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक, सांप फुफकारने के लिए एक खास तरह की प्रणाली बनाते हैं, इसे ग्लोटिस कहते हैं। ग्लोटिस सांप के मुंह के नीचे एक छोटा सा छेद होता है जो सांप के सांस लेने पर खुलता है। यह श्वसन प्रणाली और फेफड़े से जुड़ा होता है। सांपों का केवल एक ही फेफड़ा काम करता है, जबकि दूसरा बचा रहता है। उसका वह कभी इस्तेमाल नहीं करता। मिसौरी दक्षिणी राज्य विश्वविद्यालय में जीव विज्ञान के सहायक प्रोफेसर डेविड पेनिंग के मुताबिक, सांप के फेफड़े भी उसी तरह ऑक्सीजन लेते हैं, जैसे इंसान। लेकिन सांप के फेफड़े के पीछे का आधा हिस्सा पुराने समय की चिमनी की तरह होता है। यह एक खाली गुब्बारे की तरह है, जो हवा को पकड़ता है। इसलिए जब सांप फुफकारता है, तो वह अपनी पसलियों को फैलाता है। एक बड़ी गहरी सांस लेता है और फिर काफी लंबे समय के लिए सांस छोड़ता है। उस वक्त यही हिस्सा फूलता-पचता रहता है। फुसफुसाहट की आवाज ग्लोटिस से गुजरने वाली तेज हवा की वजह से आती है। आप इसे ऐसे समझिए, जब हम किसी छोटे से छिद्र में से तेज हवा गुजारते हैं, तो एक तरह की आवाज आती है, ठीक उसी तरह सांप के ग्लोटिस से भी ऐसी ही आवाज निकलती है। इसका सांप की जुबान से कोई लेना देना नहीं है। जब सांपों की जीभ बाहर आती है, तो वे हवा में वाष्पशील अवस्था में मौजूद कार्बनिक यौगिकों को पकड़ने की कोशिश कर रहे होते हैं। इन्हीं की सुगंध से वे शिकारियों की पहचान भी करते हैं। जीभ में बने दो कांटे उन्हें बताते हैं कि शिकारी किस ओर से आ रहा है। सांप इसलिए फुफकारते हैं, ताकि वह सामने आने वाले जीवों या लोगों को डरा-धमका सकें। इससे वे अपने लिए सुरक्षा चक्र बनाते हैं। तेज आवाज निकालने का उनका एक मात्र उद्देश्य अपनी रक्षा करना होता है। सांपों की फुफकार अलग-अलग प्रजातियों में अलग-अलग हो सकती है। उनकी तीव्रता अलग हो सकती है। जैसे किंग कोबरा गुर्राहट की आवाज निकालता है। क्योंकि उसकी श्वासनली में अतिरिक्त थैलियां होती हैं, जो तेज आवाज निकालने में उसकी मदद करती हैं।

अजब-गजब | पूरी दुनिया में है इस मेंढक की डिमांड

धरती के सबसे जहरीले जीवों में से एक है यह मेंढक, दो लाख रुपये लगती है इसकी कीमत

धरती पर एक से एक अनमोल जीव हैं, जिनकी कीमत लाखों-करोड़ों में है। स्टैग बीटल नाम का एक कीड़ा तो ऐसा है, कि अगर एक भी आपको मिल जाए तो उसे बेचकर आप मंहगी कार और करीब कई आईफोन खरीद सकते हैं। इसकी कीमत लगभग लगभग 65 लाख रुपये है। आज हम आपको ऐसे ही एक और जीव के बारे में बताने जा रहे हैं। जी हां, यह एक मेंढक है, जो लगभग 2 लाख रुपये में बिकता है। लेकिन इसके अंदर इतना जहर है कि एक बार में 10 लोगों की जान ले ले। फिर भी पूरी दुनिया में इसकी डिमांड है।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इसे पॉइजन डार्ट मेंढक के नाम से जाना जाता है। यह धरती के सबसे जहरीले जीवों में से एक हैं। इनका चटख रंग लोगों को खूब पसंद आता है। यही रंग इनको बेशकीमती बनाता है। इन मेंढकों पर पीले और काले रंग की धारियां होती हैं। कुछ मेंढक हरे रंग के भी होते हैं, और इन पर चमकदार नारंगी धब्बे नजर आते हैं। मेंढकों की विविधता के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है।

इनका रंग इतना अलग है कि यूरोप और अमेरिका में कई परिवार इन्हें पालते हैं। इनकी डिमांड खूब है। इसलिए इनकी तस्करी भी होती है। ज्यादातर ये मेंढक कोलंबिया में पाए जाते हैं और वहां से पूरी दुनिया में इनकी तस्करी की जाती है। ये इतने दुर्लभ हैं कि दुनिया के कई देशों ने इनके आयात निर्यात पर पाबंदी लगा रखी है। हरे और काले मेंढक, कोको मेंढक और सुनहरे मेंढक काफी दुर्लभ होते हैं। कोलंबिया के ओफगा मेंढक की डिमांड अभी भी सबसे ज्यादा है। आप सोच रहे होंगे कि आखिर इनकी इतनी डिमांड क्यों है? तो बता दें कि पहली बात तो इनका जहर निकालकर कई जगह दवाओं के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। दूसरा, ये देखने में बेहद खूबसूरत लगते हैं, इसलिए अमीर लोग इन्हें अपने घरों में पालना पसंद करते हैं। पहले अमेरिका-ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों में इनकी डिमांड थी, लेकिन अब इन्हें एशिया में भी मंगाया जाता है। कई बार एयरपोर्ट पर इन्हें स्पॉट किया गया है।

यूपी और बिहार में होगा चमत्कार : केसी वेणुगोपाल

कांग्रेस नेता का दावा- उत्तर भारत में दिन-ब-दिन बदल रहे हैं हालात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चुनाव से पहले केरल के अलापुझा से कांग्रेस उम्मीदवार केसी वेणुगोपाल ने विश्वास जताया है कि पूरे भारत में कांग्रेस इस बार भले ही कम सीटों पर चुनाव लड़ रही हो, लेकिन इस बार उनकी पार्टी का प्रदर्शन बेहतर होगा। हिंदी पट्टी में पार्टी के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर, वेणुगोपाल ने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश सहित उत्तरी राज्यों में प्रदर्शन कहीं बेहतर होगा। वेणुगोपाल ने जोर देकर कहा, हिंदी पट्टी में स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। दिन-ब-दिन स्थिति बदल रही है बिहार, उत्तर प्रदेश बदल रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में किसी जमाने में कांग्रेस का गजब दबदबा था। लेकिन अब हालात बेहद खराब हो चुके हैं, 2019 में, राहुल गांधी अमेठी में स्मृति ईरानी से हार गए, इस बार पार्टी ने अभी तक किसी भी सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, बिहार में, पार्टी ने 2019 में एक भी सीट जीती,यह पूछे जाने पर कि पार्टी स्थापना के बाद से सबसे कम सीटों पर चुनाव क्यों लड़ रही है, जिस पर वेणुगोपाल ने कहा, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य बहुत खतरनाक है। उन्होंने कहा ,कोई समान अवसर नहीं है...ईडी के छापे पड़ रहे हैं,मीडिया स्पेस पर कब्जा कर लिया गया है। इन परिस्थितियों में, पार्टी की प्राथमिकता बीजेपी को सत्ता से बाहर करना है, लेकिन उन्होंने इस बात से इनकार किया कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन में बड़े भाई की तरह काम कर रही है, उन्होंने कहा, हम भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दक्षिण में नहीं खुलेगा बीजेपी का खाता

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस केरल में अच्छा प्रदर्शन करेगी, अन्य दक्षिणी राज्यों और यहां तक कि हिंदी पट्टी में भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस केरल में सभी 20 सीटें जीतने की उम्मीद कर रही है, तमिलनाडु में पार्टी जीत हासिल करेगी जहां पार्टी द्रमुक के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है वेणुगोपाल ने बताया, हमने पिछली बार केरल में 20 सीटें जीती थीं, हम एक सीट हार गए थे। इस बार हम फिर से 20 सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 की तरह बीजेपी राज्य में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। उन्होंने अधिक विवरण दिए बिना कहा, वहां के लोग मौजूदा राजनीतिक स्थिति के बारे में जानते हैं और वे बीजेपी के खिलाफ खड़े होंगे। उन्होंने दावा किया कि अन्य दक्षिणी राज्यों में भी उनके बेहत प्रदर्शन की प्रबल संभावना है। कर्नाटक में अच्छी लड़ाई होगी जहां पार्टी 28 में से 15 से 20 सीटें जीतेगी। तेलंगाना में यह 12 से अधिक सीटें होंगी। उन्होंने कहा, आंध्र में हमने लड़ना शुरू कर दिया है और हमें एक या दो सीटें जीतनी चाहिए।

इस बार भाजपा को कुछ मिलने वाला नहीं : रेवंत रेड्डी

भाजपा के 400 पार नारे पर तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा, नारा अच्छा है लेकिन नारा कामयाब नहीं होने वाला। लोगों ने 2 बार भाजपा को मौका दिया लेकिन उन्होंने लोगों को सिर्फ धोखा दिया। इस बार भाजपा को कुछ मिलने वाला नहीं है...आज वोट के लिए प्रधानमंत्री को साउथ इंडिया याद आया है। 10 साल पीएम रहे उन्होंने साउथ को कोई फंड नहीं दिए...प्रधानमंत्री बताएं कि उन्होंने तेलंगाना को कितना फंड दिया, केरल को कितना फंड दिया?...।

भेदभाव की राजनीति कर रही भाजपा : पायलट

» कठुआ में बोले- विपक्ष की आवाज को खत्म कर देना गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कठुआ के रामलीला मैदान में पहुंचे कांग्रेसी नेता एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि केंद्र में सत्तासीन भाजपा भेदभाव, टकराव और बदले की राजनीति कर रही है। कहा कि देश में सभी की अपनी विचारधारा और सोच है। राजनीतिक दल अलग हो सकते हैं। लेकिन निर्वाचित मुख्यमंत्री को जेल में डाल देना और विपक्ष की आवाज को खत्म कर देना गलत है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक प्रमुख विपक्षी पार्टी है। जिसके खाते सीज कर दिए गए। मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया गया। विपक्ष की आवाज को खत्म किया जा रहा है और निर्वाचन आयोग चुपचाप देख रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं का भाषण सिर्फ हिंदू-मुसलमान, मस्जिद-मंदिर और हिंदुस्तान-पाकिस्तान तक ही सीमित है। देश में स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, निवेश, बेरोजगारी, महंगाई, महिला, नौजवान, किसान, खाद, बीज, बिजली, पानी के मुद्दों पर वह बात नहीं करना चाहते। भाजपा लोगों को इकट्ठा कर जज्बात से खेलती है और लचीले भाषण देकर जनता को गुमराह किया जा रहा है।

गरीब और अमीर में बनी बड़ी खाई

कहा कि गरीब और अमीर में एक बड़ी खाई बन चुकी है। आज से पहले ऐसा नहीं था। कहा कि, भाजपा ने 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था। किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वायदा भी पूरा नहीं हुआ। 10 साल से पूर्ण बहुमत वाली सरकार भाजपा ने चलाई और अंत में जो हाल देश के बने वह किसी से छिपे नहीं हैं। देश के हवाई अड्डे, बंदरगाह, रेल, पोर्ट्स सारे निजी हाथों में देते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जो वायदे किए। उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा।

सोने की चम्मच लेकर पैदा होने वाले गरीबों का क्या सम्मान करेंगे : गजेन्द्र सिंह शेखावत

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भाजपा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति कार्यकर्ता होली स्नेह मिलन समारोह में भाग लिया। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। कहा कि सोने की चम्मच लेकर पैदा होने वाले कांग्रेसी दलितों, पिछड़ों और गरीबों का क्या सम्मान करेंगे, क्योंकि उन्होंने हमेशा ही इन्हें केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम सबके आदर्श संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर तक का कांग्रेस ने अपमान किया। कांग्रेस ने बाबा साहेब की मृत्यु के बाद उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के बजाय मुंबई में किया, क्योंकि कांग्रेस को डर था कि अगर बाबा साहेब का अंतिम संस्कार दिल्ली में किया जाएगा तो दिल्ली में बाबा साहेब का स्मारक बनाना पड़ जाएगा। इसी वजह से बाबा साहेब की पार्थिव देह को अंतिम संस्कार के लिए मुंबई ले जाया गया। शेखावत ने कहा कि जब संसद में संविधान दिवस मनाए जाने को लेकर चर्चा हो रही थी तो यही कांग्रेस थी, जिसने संविधान दिवस मनाने का विरोध किया और कहा कि देश में संविधान दिवस मनाए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। शेखावत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का बताया था, जो इस बात को सिद्ध करने के लिए काफी है कि इस कांग्रेस ने कभी भी गरीबों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए कोई भी काम नहीं किया, बल्कि उन्हें झूठे वादों के जाल में फंसाकर उन्हें वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल किया।

भाजपा ने दिया रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से नारायण राणे को टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की एक और सूची जारी कर दी गई है। सूची में महाष्ट्र की एक लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवार का एलान किया गया है। भाजपा की ओर से जारी सूची के मुताबिक, इस बार रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट से नारायण राणे चुनावी मैदान में होंगे।

रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट पर केंद्रीय मंत्री राणे का मुकाबला विनायक राऊत से होगा। विनायक इस सीट से मौजूदा सांसद हैं। उन्हें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) एक फिर से चुनावी मैदान में उतारा है। भाजपा अब तक इस सीट से चुनाव नहीं लड़ती थी। राणे के बेटे नीलेश राणे इस सीट से 2009 में कांग्रेस के टिकट पर जीतकर आए थे।

दिल्ली ने गुजरात को 6 विकेट से रौंदा

» पंत और गेंदबाज चमके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2024 मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से मात दी। उस मैच में दिल्ली की तरफ से कप्तान पंत और गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करते हुए गुजरात टाइटन्स को 17.3 ओवर में 89 रन पर ढेर कर दिया जो इस सत्र में किसी भी टीम का सबसे कम स्कोर है।

गुजरात टाइटन्स का यह आईपीएल में अब तक का सबसे कम स्कोर भी था। वहीं, पिछले कुछ मैचों में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज असरदार नहीं रहे थे लेकिन आखिरकार इस मैच में जलवा दिखाने में सफल रहे। इस दौरान मुकेश कुमार सबसे ज्यादा सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 14 रन देकर 3 विकेट झटके जबकि इशांत शर्मा ने 8 रन देकर 2 और ट्रिस्टन स्टब्स ने अपने एक ओवर में दो विकेट हासिल किये। दिल्ली कैपिटल्स के लिए जेक फ्रेजर मैकगुर्क ने 20 रन, शाई होप ने 19 रन और अभिषेक पोरेल ने 15 रन का योगदान दिया। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद कप्तान शुभमन गिल (08) ने खलील अहमद की गेंद पर पारी का पहला शॉट लगाया। गिल ने फिर इशांत की गेंद को ऑफ साइड पर गैप से निकालकर चौका लगाया। लेकिन अगली ही फुल लेंथ गेंद पर गिल सीधे कवर पर पृथ्वी साव को कैच देकर आउट हो गये। साई सुदर्शन (12) ने लगातार दो चौके से शुरूआत की जिसमें एक्स्ट्रा कवर पर एक बेहतरीन चौका भी शामिल था।

इस सीजन का सबसे कम स्कोर वाला मैच

दूसरी तरफ गुजरात टाइटन्स की बल्लेबाजी काफी खराब रही, उसके लिए केवल तीन खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंचे जिसमें से राशिद खान ने सबसे ज्यादा 24 गेंद में 31 रन बनाये। गुजरात की पूरी टीम सिर्फ 89 रन बना पाई। राशिद ने टीम की पारी का एकमात्र छक्का भी लगाया। दिल्ली कैपिटल्स ने यह लक्ष्य महज 8.5 ओवर में चार विकेट पर 92 रन बनाकर हासिल कर लिया जिससे उसके रन रेट में भी इजाफा हुआ। पंत की कप्तानी लाजवाब रही, जिन्होंने सही समय पर गेंदबाजों को लगाने के अलावा स्टंप के पीछे शानदार प्रदर्शन किया और फिर 11 गेंद में नाबाद 16 रन बनाकर जीत दिलायी। यह विकेटकीपर बल्लेबाज विकेट के पीछे काफी फुर्तीला रहा, उन्होंने विकेट के पीछे कैच लपकने के अलावा शानदार स्टंपिंग भी की और टी-20 विश्वकप को देखते हुए उनका प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है।

निर्वाचन आयोग को 'सुप्रीम' आदेश अपनी तैयारियों को विस्तार से बताएं

वीवीपैट से जुड़े मामले में सुनवाई, कोर्ट ने कहा- चुनावी प्रक्रिया में पवित्रता होनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को वीवीपैट से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि चुनावी प्रक्रिया में शुचिता होनी चाहिए। कोर्ट ने चुनाव आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताने को कहा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि यह एक चुनावी प्रक्रिया है। इसमें पवित्रता होनी चाहिए। किसी को भी यह आशंका नहीं होनी चाहिए कि जो कुछ संभावनाएं बनती हैं, वह नहीं किया जा रहा है। इससं पहले मंगलवार यानी 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में वोटिंग और वीवीपैट पर्चियों से मिलान की मांग वाली याचिका पर लंबी बहस हुई। इस दौरान जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने ईवीएम की आलोचना और मतपत्रों को वापस लाने का आह्वान करने के कदम पर नाखुशी जताई। भारत में पिछले दो दशकों से ईवीएम मशीन यानी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन चुनावी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण अंग बन गया है। पिछले दो दशक से भारत के हर संसदीय और विधानसभा चुनावों में ईवीएम का इस्तेमाल किया जा रहा है। ईवीएम को अपने 45 साल के इतिहास में कई बार आलोचनाओं और आरोपों का सामना भी करना पड़ा है, लेकिन इलेक्शन कमीशन के मुताबिक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने में ईवीएम काफी अहम भूमिका निभाती रही है।

वोटर्स अब ईवीएम पर भरोसा नहीं करते : प्रशांत

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि ज्यादातर वोटर्स अब ईवीएम पर भरोसा नहीं करते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कैसे ज्यादातर यूरोपीय देशों में ईवीएम के माध्यम से मतदान कराने वाले मतदाता अब वापस कागज के मतपत्रों पर लौट आए है। भूषण के इस तर्क के जवाब में जस्टिस संजीव खन्ना ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम अपनी जिंदगी के छठे दशक में हैं और हर किसी को पता है कि जब बैलेट पेपर्स से वोटिंग होती थी तो किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता था। ऐसे

में इस रिपोर्ट में विस्तार से समझते हैं कि आखिर ये ईवीएम मशीन क्या होती और कैसे काम करती है, इन्हें बनाने में कितना खर्च होता है और इसके आने के बाद देश की चुनाव प्रक्रिया कैसे बदली।

अदालत ने बृजभूषण की अर्जी पर फैसला रखा सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह यौन उत्पीड़न मामले की सुनवाई के लिए दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। बृज शरण सिंह ने यौन उत्पीड़न मामले में आगे की जांच की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह की अर्जी पर 26 अप्रैल के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया है। गौरतलब है कि विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट देश और दो अन्य पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था और उनके खिलाफ प्रदर्शन किया था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ मामला दर्ज किया था, लेकिन जुलाई में स्थानीय अदालत से बृजभूषण को जमानत मिल गई। बता दें कि जनवरी 2023 में पहलवानों का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। 18 जनवरी को पहलवानों ने जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया था जिसे विपक्ष के कई नेताओं का समर्थन मिला था।

आप ने महेश खिची और रविंदर भारद्वाज को बनाया अपना उम्मीदवार

» दिल्ली मेयर चुनाव में आज भरेंगे नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में 26 अप्रैल को मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव होना है। ऐसे में आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने मेयर के लिए महेश खिची को अपना उम्मीदवार बनाया है।

बता दें कि महेश खिची करोल बाग के देवनगर वार्ड से आप के पार्षद हैं। वहीं डिप्टी मेयर के लिए आप ने रविंदर भारद्वाज को उम्मीदवार घोषित किया है। रविंदर भारद्वार अमन विहार से पार्षद हैं। बता दें कि मौजूदा मेयर डॉ. शैली ऑबरोय और डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इक़बाल का कार्यकाल खत्म हो चुका है। एमसीडी के नियमों के मुताबिक हर साल मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव होता है। बीते साल बीजेपी ने मेयर-डिप्टी मेयर चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार तो उतारे थे लेकिन अंत वक्त पर उन्होंने नाम वापिस ले लिए थे। इस वजह से आप के उम्मीदवार निर्विरोध चुनाव जीते थे। बता दें, दिसंबर 2022 में आप ने बीजेपी को एमसीडी चुनाव में हराया था और एमसीडी में उसके 15 साल के शासन का अंत किया था।

डिवाइडर से टकराई कार, दो मासूम समेत चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले के थाना पिलुआ क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार सुबह 5 :30 बजे कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में चार लोगों की मृत्यु हो गई जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। हादसे में एक युवक की भी मृत्यु हुई है, जिसकी शनिवार को शादी होनी थी। दुर्घटना में पांच लोग घायल हुए हैं, सभी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

सभी मृतक और घायल मैनपुरी जिले के रहने वाले हैं। सुबह के समय दिल्ली से कार आ रही थी जो सुन्ना नहर पुल के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में गुलशन निवासी ब्यौती कला थाना एलाऊ जनपद मैनपुरी तथा गांव साथनी दलीलपुर जनपद मैनपुरी के रहने वाले कुलदीप व एक वर्ष की नित्या और पांच वर्षीय आराध्या की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना में कुलदीप के भाई रवि और उनके पुत्र आदित्य व परिवार के ही रंजना और सत्येंद्र तथा शहजादपुर थाना ओंछा जनपद मैनपुरी निवासी विष्णु घायल हुए हैं। सभी को मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां से दो को आगरा रेफर कर दिया गया है। बताया गया है कि कुलदीप की शादी शनिवार को होने वाली थी उनकी बरात जानी थी। शादी वाले घर में कोहराम मचा है। रवि और कुलदीप सगे भाई हैं। नित्या और आराध्या रवि की बेटी हैं। सभी लोग दिल्ली से आ रहे थे।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे कार-ट्रक भिड़ी, एक बच्चे समेत 10 लोगों की जान गई

गुजरात के खेडा जिले में नाडियाड कस्बे के समीप अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को टक्कर मार दी, जिसमें एक बच्चे समेत कार सवार 10 लोगों की मौत हो गयी।पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खेडा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश गढ़िया ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि महाराष्ट्र में पंजीकृत ट्रक खराबी आने के बाद व्यवस्त राजमार्ग के बाएं लेन में खड़ा था औरकार ने उसे पीछे से टक्कर मारी। उ न्होंने कहा कि दुर्घटना में चालक और पांच साल के बच्चे सहित कार में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। गुजरात में पंजीकृत कार वडोदरा से अहमदाबाद की ओर जा रही थी, तभी उसने नाडियाड के पास एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मारी।

शोभायात्रा की घटना को लेकर टीएमसी पर भड़का विपक्ष

» राज्यपाल को चिट्ठी लिख की एनआईए जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में रामनवमी शोभायात्रा के दौरान झड़प होने की घटनाओं पर सियासत गर्मा गई है। इन घटनाओं पर भाजपा लगातार मौजूदा टीएमसी सरकार को घेर रही है। उसने आरोप लगाया है कि पुलिस ने बदमाशों का साथ दिया है। वहीं, विपक्ष के नेता सुवेंदू अधिकारी ने राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर एनआईए जांच की मांग की है।

गौरतलब है, शोभायात्रा पर छतों से पथराव होने से करीब 20 लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद, इलाके में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। वहीं, जिले के शक्तिपुर इलाके में हुए विस्फोट में एक महिला घायल हो गई। पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा पाई है कि यह बम विस्फोट था या विस्फोट अन्य कारणों से हुआ। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को पत्र लिखकर मुर्शिदाबाद के रेजिनगर इलाके में रामनवमी शोभायात्रा के दौरान हुई झड़पों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने राज्यपाल से कानून व्यवस्था पर दखल देने का अनुरोध किया है।

कर्नाटक में माहौल बिगाड़ने पर दो गिरफ्तार

बेंगलुरु में कथित तौर पर रामनवमी के मौके पर जय श्री राम बोलने को लेकर चार लोगों के साथ हुई बहस में दो लोग घायल हो गए हैं। इसके मामला दर्ज किया गया है और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो अन्य - जिनमें से एक नाबालिग है - को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और दंगा करने समेत अन्य आरोपों के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि तीन व्यक्ति, जिनकी पहचान पवन कुमार, राहुल और बिनायक के रूप में हुई है, कार में थे और एक सेकेंड हैंड दो पहिया वाहन देखने के लिए जा रहे थे, जो सेल पर था। अधिकारी के मुताबिक, बुधवार को वो जय श्री राम के नारे लगाते हुए और भगवा झंडा लिए जा रहे थे।

तेलंगाना: भीड़ ने किया स्कूल पर हमला

हैदराबाद। तेलंगाना के मंचेरियल जिले में एक मिशनरी स्कूल में भीड़ ने तोड़फोड़ की और संस्थान के कर्मचारियों के साथ मारपीट की,क्योंकि प्रिंसिपल ने परिसर में धार्मिक पोशाक पहने कुछ छात्रों पर आपत्ति जताई थी। इन स्टूडेंट्स के माता-पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने प्रिंसिपल समेत दो स्टाफ के सदस्यों के खिलाफ दो समुदायों में दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। हैदराबाद से लगभग 250 किलोमीटर दूर कन्नेपल्ली गांव में ब्लेस्ड मदर टेरेसा हाई स्कूल के अधिकारियों ने बताया कि केरल के रहने वाले प्रिंसिपल जैमोन जोसेफ ने दो दिन पहले देखा कि कुछ छात्र स्कूल में भगवा पोशाक पहनकर आए थे। जब उन्होंने छात्रों से इस बारे में पूछा तो छात्रों ने जवाब दिया कि वे 21 दिवसीय अनुष्ठान हनुमान दीक्षा का पालन कर रहे हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।